

# नए आईआईटी में इंदौर छात्रों की पहली पसंद

खुश खबर

कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच में प्रवेश के मामले में अन्य को पछाड़ा

संजय गुप्ता | इंदौर

देश के सभी आईआईटी (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) में इंदौर आईआईटी तेजी से उभर रहा है। साल 2008 से 2009 के बीच खुले आठ नए आईआईटी में से छात्रों ने मैकेनिकल ब्रांच में प्रवेश के लिए इंदौर को पहली तवज्जो दी। इलेक्ट्रिकल ब्रांच में प्रवेश के लिए पसंद में इंदौर से आगे केवल हैदराबाद आईआईटी रहा। कम्प्यूटर साइंस ब्रांच में प्रवेश के लिए छात्रों की पसंद के मामले में इंदौर ने पांच नए आईआईटी को पीछे छोड़ा। उससे आगे रोपड़ व हैदराबाद आईआईटी ही रहे। इसके चलते इंदौर आईआईटी की तीनों शाखा (कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल व मैकेनिकल इंजीनियरिंग) में कट ऑफ तीन सालों की तुलना में सर्वाधिक रहा। हालांकि सात पुराने आईआईटी की बराबरी करने के लिए इंदौर को लंबा रास्ता तय करना है।

## इंदौर में अंतिम कट ऑफ रैंक

ब्रांच	2012	2011	2010	2009
कम्प्यूटर साइंस	3346	3635	3512	3627
इलेक्ट्रिकल	3032	3921	3722	3916
मैकेनिकल	3245	4069	4012	4060

## अन्य नए आईआईटी में कट ऑफ

ब्रांच	भुवनेश्वर	मंडी	गांधीनगर	पटना	राजस्थान	रोपड़	हैदराबाद
सीएस	कोर्स नहीं	4000	कोर्स नहीं	4026	3697	2847	2155
इलेक्ट्रिकल	3968	4240	3301	4350	4062	3524	2575
मैकेनिकल	4200	4431	3410	4483	4276	3880	3805

## इसलिए इंदौर आईआईटी ने की तरक्की

- » देश के मध्य में होने से इंदौर छात्रों की पसंद है।
- » बीते एक साल में करोड़ों रुपए लगाकर आधुनिक रिसर्च मशीनें स्थापित की हैं।
- » अधिकांश फैक्ट्री विदेश में पढ़ाने का अनुभव रखती हैं। स्थायी फैक्ट्री 70 हुई।
- » इंदौर आईआईटी के काम अब छात्रों के बीच बाहर भी पहुंच रहे हैं।

(आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर डॉ. प्रदीप माथुर के अनुसार।)

## टॉप तीन में आने का लक्ष्य

डायरेक्टर डॉ. माथुर ने कहा कि हम केवल कैंपस के मामले में पीछे हैं। गांधीनगर सबसे पीछे और उसके बाद हमारा नंबर है। एक बार कैंपस का काम हो जाए तो इंदौर आईआईटी भविष्य में टॉप तीन में नजर आएगा। पूरा संस्थान इसके लिए प्रयास कर रहा है।